

प्रेषक,

डॉ. भूपिन्दर कौर औलख,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
अल्पसंख्यक कल्याण विभाग,  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

अल्पसंख्यक कल्याण अनुभाग

देहरादून: दिनांक: 28 मार्च, 2017

विषय— वित्तीय वर्ष 2016-17 के आय-व्ययक में 'प्रान्तीय हज समिति को अनुदान' हेतु प्राविधानित धनराशि की स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-1458/नि.अ.क./524(1)बजट आवंटन/2016-17, दिनांक 13.02.2017, वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या: 847/XXVII(1)/2016, दिनांक 26.07.2016, शासनादेश संख्या: 1097/XXVII(1)/2016, दिनांक 20.09.2016 एवं शासनादेश संख्या-1151/XVII-3/2016-01(04)/2016, दिनांक 06.09.2016 की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल वित्तीय वर्ष 2016-17 के आय-व्ययक में उक्त योजनान्तर्गत 'आयोजनेत्तर' पक्ष में प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष ₹ 20.00 लाख (₹ बीस लाख मात्र) की धनराशि को निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन निम्नानुसार व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

1. उक्त स्वीकृत धनराशि का व्यय करते समय उपरोक्त संदर्भित शासनादेशों में दिये गये दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाएगा।
2. उक्त शासनादेशों में उल्लिखित प्राविधानानुसार वचनबद्ध/अवचनबद्ध मदों की आवश्यकताओं को बजट प्राविधान की सीमा तक ही सीमित रखते हुए धनराशि का व्यय किया जायेगा।
3. स्वीकृत की जा रही धनराशि का आह्वरण आवश्यक मदों हेतु ही किया जायेगा तथा व्यय में मितव्ययिता के विषय में शासन द्वारा समय-समय पर जारी किये गये समस्त शासनादेशों का कड़ाई से अनुपालन किया जायेगा।
4. उक्त धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, कि जिसे व्यय करने से पूर्व बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका अथवा मूल आदेशों के अधीन सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त किया जाना आवश्यक हो। ऐसे में सक्षम अधिकारी की स्वीकृति व्यय के पूर्व प्राप्त कर ली जायेगी तथा धनराशि माहवार आवश्यकतानुसार ही आहरित की जायेगी।
5. स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय आवंटित सीमा तक उसी मद के लिए किया जायेगा, जिसके लिये यह स्वीकृति दी जा रही है।
6. धनराशि का व्यय करते हुए उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 एवं इस संबंध में समय-समय पर निर्गत आदेशों का पालन कड़ाई से किया जाय।
7. स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2017 तक उपयोग करके उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को प्रस्तुत कर दिया जायेगा।
8. मितव्ययिता के फलस्वरूप अवशेष धनराशि को वित्तीय वर्ष के अन्त में यथाप्रक्रिया समर्पित कर दिया जायेगा।

9. उक्त धनराशि के सापेक्ष समस्त व्यय की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण प्रत्येक माह के प्रथम सप्ताह में निदेशालय के माध्यम से शासन को प्रस्तुत किया जायेगा।

2- इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 के आय-व्ययक में 'अनुदान संख्या-15' के 'आयोजनेत्तर' "लेखाशीर्षक-2250-अन्य सामाजिक सेवायें-00-800-अन्य व्यय-00-03-प्रान्तीय हज समिति को अनुदान" के मानक मद "20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता" के नामे डाला जायेगा।

3- यह आदेश वित्त अनुभाग-3 के अशा0 संख्या-134(NP)/XXVII(3)/2016-17, दिनांक 16 मार्च, 2017 में प्राप्त उनकी सहमति तथा तत्कम में शासनादेश संख्या-183/XXVII-I/2012 दिनांक 28.3.2012 द्वारा विहित व्यवस्था के क्रम में [www.cts.uk.gov.in](http://www.cts.uk.gov.in) से सॉफ्टवेयर के माध्यम से उपरोक्त स्वीकृति/बजट आवंटन हेतु निर्गत विशिष्ट नं0/अलॉटमेंट आई.डी.सं0:SI703150573 दिनांक 28 मार्च, 2017 के अनुपालन में निर्गत किये जा रहे हैं।

संलग्न- यथोक्त।

भवदीय,

(डॉ. भूपिन्दर कौर औलख)  
सचिव।

पृष्ठांकन संख्या:-241 / XVII-3/2017, तददिनांक।

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी उत्तराखण्ड, ओबराय भवन, मंजरा, देहरादून।
2. महालेखाकार, आडिट उत्तराखण्ड, इन्द्रानगर, देहरादून।
3. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएँ, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. अधिशासी अधिकारी, उत्तराखण्ड राज्य हज समिति, हज हाउस, रुडकी, हरिद्वार।
5. मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी, हरिद्वार।
6. बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
7. राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
8. वित्त अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
9. आदेश पंजिका।

आज्ञा से,

(जी. एस. भाकुनी)  
उप सचिव।